भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4364

20 दिसम्बर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

औषधीय पौधों के अंकुरों का वितरण

4364. डॉ. आलोक कुमार सुमन:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने औषधीय पादपों के सतत प्रबंधन के लिए लगभग एक करोड़ औषधीय पौधों के अंकुर वितरित किए हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और बिहार और ओडिशा में कितने औषधीय पादपों के अंकुर वितरित किए गए और उनकी किस्में कौन-सी हैं;

(ग) इन औषधीय पादपों के पोषण और विकास के लिए केन्द्रीय क्षेत्र की योजना के अंतर्गत बिहार और ओडिशा को प्रदान की गई वित्तीय सहायता का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या उक्त अंकुरों के पूर्ण विकसित पादप बनने की प्रतिशतता के संबंध में कोई आकलन किया गया है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य/संघ राज्यक्षेत्रवार, विशेषकर बिहार और ओडिशा में, ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) और (ख): जी हां। राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने देश में औषधीय पादप क्षेत्र का संवर्धन करने हेतु आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) अभियान का आयोजन किया है। एकेएएम के अंतर्गत, एनएमपीबी, आयुष मंत्रालय द्वारा दिनांक 30 अगस्त, 2021 से एक वर्ष की अवधि के दौरान औषधीय पादपों के संबंध में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए "आयुष आपके द्वार" क्रियाकलाप के लिए सहयोग प्रदान किया गया।

'आयुष आपके द्वार' अभियान के अंतर्गत, एनएमपीबी, आयुष मंत्रालय ने क्षेत्रीय-सह-सुविधा केंद्रों (आरसीएफसी)/राज्य औषधीय पादप बोर्ड (एसएमपीबी) के माध्यम से बिहार और ओडिशा राज्य सहित पूरे देश में विद्यार्थियों, परिवारों और आम जनता के बीच *विथानिया सोम्नीफेरा, एंड्रोग्राफिस पैनिकुलाटा, एस्पेरेगस रेसमोसस, फिलैन्थस एम्बलिका, ओसीमम टेनुइफ्लोरम, टीनोस्पोरा कॉर्डिफोलिया, एलोवेरा* आदि जैसी औषधीय पादप प्रजातियों के लगभग **9785630** पौध वितरित किए थे। वितरित किए गए औषधीय पादप पौध की संख्या और विभिन्न प्रजातियों का बिहार तथा ओडिशा सहित राज्य-वार ब्यौरा **संलग्नक** में दिया गया है।

(ग): केंद्रीय क्षेत्रीय योजना के अंतर्गत बिहार और ओडिशा को एकेएएम अभियान हेतु कोई निश्चित वित्तीय सहायता प्रदान नहीं की गई है। एसएमपीबी और आरसीएफसी (पूर्वी क्षेत्र) के मौजूदा क्यूपीएम/पौधशाला संसाधनों से औषधीय पादपों की पौध का वितरण किया गया है।

(घ): जी नहीं, यह अभियान विशेष रूप से औषधीय पादपों के संबंध में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए प्रारम्भ किया गया था।

(ङ): प्रश्न नहीं उठता।

*****

संलग्नक

आयुष आपके द्वार के तहत वितरित औषधीय पादप पौध का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार वितरण			
क्र. सं.	**राज्य**	**वितरित किए औषधीय पादपों की पौध की संख्या**	**औषधीय पादपों के नाम**
1	अंडमान और निकोबार	65	तुलसी, अजवाइन, कालमेघ, लेमन ग्रास, घृतकुमारी।
2	असम	2850	गिलोय, अर्जुन, बहेड़ा, वच आदि।
3	अरूणाचल प्रदेश	1141	सतावर, अधतोड़ा, करी-पत्ता, तुलसी, आंवला, गिलोय आदि।
4	आंध्र प्रदेश	1322884	अशोक, ब्राह्मी, रक्तचंदन, मडुकपर्णी, मेंहदी, लेमन ग्रास आदि।
5	**बिहार**	**552200**	**गिलोय, तुलसी, भुईआंवला, कोलियस, नीम, ब्राह्मी, वच, सर्पगंधा, सहजन, सतावरी और घृतकुमारी आदि।**
6	छत्तीसगढ़	2137045	गिलोय, स्टीविया, शतावर, कालमेघ, अश्वगंधा, घृतकुमारी, गुड़मार, तुलसी, ब्राह्मी, पिपली, बेल, आंवला।
7	चंडीगढ़	330	लेमन ग्रास, एलोय, गिलोय, ब्राह्मी, शतावरी आदि।
8	नई दिल्ली	3486720	गिलोय, अश्वगंधा और तुलसी।
9	गोवा	7570	आंवला, तेजपत्ता, स्टीविया, गार्सिनिया, रक्तचंदन, मोरिंगा।
10	गुजरात	561489	गिलोय, तुलसी, अश्वगंधा, भुईआंवला, घृतकुमारी, गुग्गुलु आदि।
11	हिमाचल प्रदेश	240360	गिलोय, अश्वगंधा, जामुन, हरसिंगार।
12	हरियाणा	800	गिलोय, तुलसी, अश्वगंधा, भुईआंवला, घृतकुमारी।
13	जम्मू एवं कश्मीर	725	गिलोय, अश्वगंधा।
14	झारखंड	400	तुलसी, इलायची, पिपली आदि।
15	पुडुचेरी	2500	पिपली, निर्गुंडी, अदरक, वासक, तुलसी आदि।
16	पंजाब	354247	अश्वगंधा, गिलोय, लेमन ग्रास, घृतकुमारी, निर्गुंडी, शतावरी आदि।
17	केरल	17964	तुलसी, इलायची, पिपली, ब्राह्मी, अशोक, करीपत्ता, नीम, निर्गुंडी, आदि।
18	कर्नाटक	8203	नीम, बहुनिया, अशोक, गमेलिना आदि।
19	मध्य प्रदेश	81631	गिलोय, गुग्गुलु, सतावर, अश्वगंधा आदि।
20	महाराष्ट्र	66691	गिलोय, आंवला, अर्जुन, हरड़।
21	मेघालय	3000	मदुकपर्णी, ज़ैंथोक्सिलम, गॉल्थेरिया, लोधरा आदि।
22	मणिपुर	50000	गिलोय, आंवला, अर्जुन, हरड़।
23	मिजोरम	10120	शतावर, आंवला, जड़ी बूटी पेरिस आदि।
24	**ओडिशा**	**659400**	**तुलसी, अश्वगंधा, गिलोय, गुड़मार, कालमेघ, खस-खस, सर्पगंधा और आंवला आदि।**

25	राजस्थान	57772	गुग्गुलु, आंवला, बेल।
26	सिक्किम	54000	गिलोय, आंवला, घृतकुमारी, हरड़, बहेड़ा, करीपत्ता, रीठा, स्योनाक आदि।
27	तमिलनाडु	40346	अशोक, नक्स वोमिका, बेल आदि।
28	पश्चिमी बंगाल	7680	तेजपत्ता, स्टीविया, अशोक, गिलोय, तुलसी आदि।
29	उत्तराखंड	47236	कुटकी, बड़ी इलाइची, लेमन ग्रास, तेजपत्ता आदि।
30	उत्तर प्रदेश	10261	गिलोय, अश्वगंधा, जामुन, हरसिंगार आदि।
कुल वितरित पौध			**9785630**